Decision on Formulations and Drugs

2099. SHRIMATI AHILYA P. RANGNEKAR: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government had taken the decision just on 350-odd formulations out of a total 10,000 formulations and 9 (nine) basic drugs; and

(b) if so, the details of the decisions taken?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) Government effected in December, 1978, reduction in the prices of 352 packs of formulations based on bulk drugs, namely, Doxycycline, Oxytetracycline (its salts and derivatives), Sulphaguanidine, Gentamycin Sulphate, Chloramphenicol Powder, Phenobarabitone and Analgin. The prices of formulations based on Gentamycin Sulphate were further reduce by the Government on February 15, 1979.

(b) The price reductions referred to at (a) above, cover important branded formulations. The effect of reductions for a few leading producers is indicated below:

Sl No.	Name of the manufacturer	Name of the Drug	Important branded formulations whose price was reduced w.e.f. 20-12-1978	Percentage reduction
1	Pfizer	Oxytetracycline its salts & derivatives	Terramycin	0·5% to 14%
2	I D.P.I.	Doxycycline	Vivacycline	16% to 18%
3	Dolphin.	Doxycycline	Dext	20%
4	I.D.P.I.	Sulphagunidine	Sulphagunidine	13% to 16%
5	Indian Schering	Gentamycin	Genticyn	10 to 43%
6	C.E. Fulford	Gentamycin	Garamyxin	10 to 41%
7	Parke Davis	Chloramphenicol	Chloromycetin	1% to 9%

फिल्मों में अपराध-दृश्यों का प्रभाव

2100. श्री मृत्युंजय प्रसाद वर्मा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया है कि फिल्मों में आकर्षक ढंग से बुरे कार्य और अपराध दृश्य दिखाने से विशेषकर युवकों पर बुरा प्रभाव पड़ता है तथा विभिन्न स्थानों के युवा अपराधियों ने यह स्वीकार किया है कि उन्हें ऐसे अपराध करने का साहस फिल्मों में बैंक डकैती, चोरी, हत्या, लड़ाई और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार के दृश्यों से मिला ; और

(ख) अपराध, बुरे कार्य और अश्लील दृश्यों वाली फिल्में दिखाने की अनुमति देने के बारे में सरकार की क्या नीति है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी): (क) और (ख). इस देश में सिनेमा के हिंसा, अपराध, आदि से नैमित्तिक सम्बन्ध के बारे में कोई औपचारिक अध्ययन नहीं किया गया है। तथापि, सरकार युवा और अपरिपक्व मस्तिष्कों के वाणिज्यिक फिल्मों में कतिपय प्रकार के दृश्यों से बुरी तरह प्रभावित होने के खतरे से अवगत है। इसी कारण से लोक प्रदर्शन के लिए निर्मित फिल्मों के सम्बन्ध में सेंसरशिप पद्धति चलाई जा रही है। इस प्रकार की सभी फिल्मों की जांच फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा चल चित्र अधिनियम, 1952 के उपबन्धों तथा इनके अन्तर्गत जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार की जाती है। मार्गदर्शी सिद्धान्तों में गत वर्ष संशोधन किया गया है। इन मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार, बोर्ड को यह सुनिश्चित करना होता है कि हिंसा जैसी समाज विरोधी क्रियाएं उत्कृष्ट या न्यायोचित न ठहराई जाएं, अपराधियों या अन्य दृश्यों या शब्दों की ऐसी कार्य-प्रणाली, जिससे

किसी अपराध का करना उद्दीप्त होने की सम्भावना हो, चित्रित न की जाए तथा हिंसा और क्रूरता के निरर्थक या परिहार्य दृश्य न दिखाए जाएं। अनिर्बन्धित लोक प्रदर्शन के लिए उपयुक्त फिल्मों को 'यू' प्रमाण-पत्र दिए जाते हैं। जो फिल्में इस प्रकार के प्रदर्शन के लिए उपयुक्त नहीं होती किन्तु वयस्कों के लिए निर्बन्धित लोक प्रदर्शन के लिए उपयुक्त होती हैं, उनको "ए" प्रमाण-पत्र दिए जाते हैं।

पेट्रोलियम और डीजल का आयात

2101. **श्री वीरेन्द्र प्रसाद :** क्या **पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार ने वर्ष 1978–79 में कितनी मात्रा में पेट्रोलियम और डीजल का आयात किया; और

(ख) इन का आयात प्रति लिटर किस दर पर किया जाता है और देश में इनकी बिक्री किस दर पर की जाती है ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) वर्ष 1978–79 के दौरान आयात की जाने वाली अशोधित तेल तथा डीजल की मात्रा निम्नलिखित है:—

अशोधित तेल	15.00 मिलियन मी. टन
हाई स्पीड डीजल तेल	1.1 मिलियन मी. टन

(ख) वर्ष 1978–79 के दौरान अशोधित तेल के आयात की औसत दर 722.71 रु० प्रति किलो लीटर होने की आशा है। वर्ष 1978–79 के दौरान आयात किए गये हाई स्पीड डीजल तेल की औसत लागत 976.58 रु० प्रति किलो लीटर होने की आशा है। देश में इसी रूप में अशोधित तेल नहीं बेचा जाता। इसका शोधनशालाओं में शोधन किया जाता है और उससे प्राप्त उत्पादों को बाजार में बेचा जाता है। हाई स्पीड डीजल तेल का मूल अधिकतम विक्रय मूल्य संलग्न विवरण में दर्शाया गया है।

विवरण

(रु० प्रति किलो लीटर)

सप्लाई के स्थान	एच. एस. डी.
बम्बई/कोयाली	1161.17
कोचीन	1160.55
मद्रास	1172.60
विजाग	1166.31
बरौनी/हल्दिया/गोहाटी/डिग्बोई	1173.37
कलकत्ता	1195.30
काण्डला	1200.03
ओखा	1210.46
गोआ	1194.20

नोट:—ऊपर दर्शायी गयी कीमत में विक्रय कर, चुंगी तथा अन्य स्थानीय कर सम्मिलित नहीं हैं।

बीकानेर के समीप पलाना कोयला खानों का बन्द होना

2102. **श्री दौलत राम सारन :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में तथा अन्य क्षेत्रों में भी, जहां इस प्रकार का कोयला उपलब्ध है, कोयले की किस्मों का निर्धारण करने के लिए कभी कोई सर्वेक्षण किया गया है;

(ख) बीकानेर के समीप पलाना कोयला खानें कब बन्द की गई तथा उन खानों से कितनी अवधि तक कोयला निकाला गया;

(ग) वहां कितने श्रमिक कार्य करते थे तथा उन पर सरकार ने कितनी पूंजी लगाई थी;

(घ) क्या इन कोयला खानों का सर्वेक्षण सोवियत रूस से आये कुछ विशेषज्ञों द्वारा किया गया था, उन पर कितनी राशि खर्च की गई तथा उन विशेषज्ञों की रिपोर्ट क्या है; और

(ङ) उपर्युक्त रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्यवाही न करने के क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) जी हां। कोयले की केवल एक किस्म अर्थात् लिग्नाइट राजस्थान में पाई जाती है। इसकी खानें पलाना में खोली गई थीं।

(ख) और (ग) पलाना लिग्नाइट खान 1969 में बंद कर दी गई थी। इसमें लगभग 40 लाख रुपया लगाया गया था और लगभग 150—200 कामगार काम करते थे।

(घ) और (ङ). जी हां। राज्य सरकार ने पलाना में लिग्नाइट के ओपेनकास्ट खनन की योजना तैयार करने के लिए एक रूसी फर्म (मैसर्स माशिनो—